श्रावण मास में सूक्ष्म कर्मेन्द्रियों को मनमोहन श्रीकृष्ण जैसा बनाने का चार्ट

1. मन में विकारों के वशीभूत व्यर्थ संकल्प, उट-पटांग विचार, परचिन्तन, नफरत, घृणा, क्रोध के भाव उत्पन्न हुए? या किसी भी बात को देखकर सुनकर मन शान्त-शीतल रहा?
2. सारा दिन में मूंझ, निराशा, उलझन, बोझ या प्रश्नचित आये? या प्रसन्नचित, उमंग-उत्साह हल्का रहा?
3. मन को जब चाहो, जहां चाहो, जो विचार देना चाहो, तो मन ने माना?
प्रैक्टिस - अभी-2 मधुबन में, परमधाम में, ब्रह्माबाबा की गोद में, कभी शिवबाबा को टच करो, कभी शिवबाबा आपको टच करेगा।
4. मन को सबको शुभभावना, शान्ति का दान देने का विचार आया? मन्सा सेवा की? प्रयोग - मेरे सामने जो भी आए मुझे उन्हें दृष्टि के पिचकारी द्वारा शान्ति, शक्ति दी?
5. सारा दिन मन मनमनाभव में रहा? बीच-2 में बाबा-बाबा बोलना, स्वमान, मुरली, सेवा, मधुबन, दादियों, बहनें, परमधाम को याद करना।

1. सारे दिन में बुद्धि भटकने से मुक्त रही? शिव बाबा पर एकाग्र करना, मधुमक्खी की तरह सबके गुण चुनें।

2. रोज 15 मिनट तीसरे नेत्र द्वारा ब्रह्माबाबा की आंखों में आदि के साक्षात्कार देखे? - विष्णु चर्तुभुज, विनाश, ऊपर से सितारे आते और राजकुमार, राजकुमारी बनकर नीचे आते ...... तुम्हें ऐसी दुनिया बनानी है।

3. सारे दिन में बुद्धि ने निर्णय ठीक किया? निर्णय करने के बाद बुद्धि ऊपर नीचे हुई?

4. सारे दिन में बुद्धि रूपी दिव्य आंख के सामने ब्रह्माबाबा, उनके पीछे श्रीकृष्ण, उनके पीछे स्वयं को कितनी बार देखा? - 21 बार

5. सारे दिन में ग्रहों को शान्ति का दान दिया? उनके ऊपर बैठकर योग किया? सारे दिन में दो घंटा योग, सेन्टर पर भट्ठी में आना।

1. मेरे संस्कार ब्राह्मण जीवन के रहे? अमृतवेला, मुरली, ट्रैफिक कन्ट्रोल, भोग लगाना, सम्मान सहयोग देना, निराश, बेसहारा, कमजोर, दुःखी आत्माओं को शक्ति देना, त्याग-तपस्यामूर्त जीवन, सेवा करना, गुडमार्निंग, गुडनाईट करना।
2. मेरे कर्म सारा दिन सुख देने वाले रहे, सुखदाई स्वरूप का अनुभव कराने वाले रहे? हमारी उपस्थिति अनेक आत्माओं को निश्चिन्त करने वाली रही? निःस्वार्थ, शुद्ध आत्मिक स्नेह रहा? सबको सुख का वरदान दिया?
3. सारे दिन में कर्म वा संस्कार ब्रह्मा बाबा के साथ मैच हो रहे हैं?
प्रयोग - कर्म करने के पहले संकल्प को चैक करें कि बाप समान हैं? आईने में देखते हुए ब्रह्माबाबा और स्वयं का प्रतिबिम्ब दिखाई दे।
4. मनमोहन श्रीकृष्ण जैसे दिव्य संस्कारधारी बने हो? सर्व गुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण, सम्पूर्ण निर्विकारी, मर्यादा पुरूषोत्तम, अहिंसा परमोधर्म के स्मृतिस्वरूप रहे?

तारीख	मन					बुद्धि					संस्कार				